A

CCE RR

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESHWARAM, BANGALORE – 560 003

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಜೂನ್ / ಜುಲೈ, 2022

S.S.L.C. EXAMINATION, JUNE / JULY, 2022

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 28. 06. 2022] **ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : 06-H**

Date : 28. 06. 2022] **CODE NO. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Regular Repeater)

[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 100

[Max. Marks : 100

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I.	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	6 × 1 = 6
1.	'सभ्य' शब्द का विलोम रूप है – (A) असभ्य (B) अलभ्य (C) सभ्यता (D) संस्कार । **उत्तर :** (A) असभ्य	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
2.	‘लेखक’ शब्द का स्त्रीलिंग रूप है — (A) लेखनी (B) लेखिका (C) लिखाई (D) लिखावट । **उत्तर :** (B) लेखिका	1
3.	‘लड़का’ शब्द का बहुवचन रूप है — (A) लड़कियाँ (B) लकड़ी (C) लड़कपन (D) लड़के । **उत्तर :** (D) लड़के ।	1
4.	निम्नलिखित में से ‘प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया’ रूप है — (A) चाल (B) चलनशील (C) चलाना (D) चलें । **उत्तर :** (C) चलाना	1
5.	‘अंबर’ शब्द का पर्यायवाची शब्द है — (A) धरती (B) आसमान (C) जल (D) वायु । **उत्तर :** (B) आसमान	1
6.	निम्नलिखित में से ‘उपसर्ग’ युक्त शब्द है — (A) गरमाहट (B) भाग्यशाली (C) अहिंसा (D) सामाजिक । **उत्तर :** (C) अहिंसा	1
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	4 × 1 = 4
7.	सांगोपांग : गुण संधि :: परमात्मा : .... । **उत्तर :** दीर्घ संधि	1
8.	राजकुमार : तत्पुरुष समास :: माँ-बाप : .... । **उत्तर :** द्वन्द्व समास	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
9.	जो अभिनय करती है : अभिनेत्री :: जो पढ़ा-लिखा न हो : .... ।	
	उत्तर : अनपढ़	1
10.	मोहन गाता है : वर्तमान काल :: मोहन ने गीत गाया : .... ।	
	उत्तर : भूतकाल	1
III.	**एक-एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	7 × 1 = 7
11.	मुरलीधर कौन है ?	
	उत्तर :	
	मुरलीधर श्रीकृष्ण है ।	1
12.	तावीज़ कहाँ तैयार होने लगे ?	
	उत्तर :	
	तावीज़ कारखाने में तैयार होने लगे ।	1
13.	मन्नुजी के पिता को अजमेर क्यों जाना पड़ा ?	
	उत्तर :	
	तबादला होने के कारण उन्हें अजमेर जाना पड़ा ।	1
14.	रूसी युवतियाँ कैसे दिखाई दे रही थीं ?	
	उत्तर :	
	रूसी युवतियाँ घर के कामकाज करती दिखाई दे रही थीं ।	1
15.	नवीन जी के अनुसार किस रोग का विध्वंस करना है ?	
	उत्तर :	
	नवीन जी के अनुसार कुष्ठ/सामाजिक बुराइयों का विध्वंस करना है ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
16.	अज्ञेय जी उधार देने से क्यों डरते हैं ?	
	उत्तर :	
	क्योंकि याचक अनजान है ।	1
17.	नेपोलियन किससे टकरा गया ?	
	उत्तर :	
	नेपोलियन एक लड़की से टकरा गया ।	1
IV.	**दो-तीन वाक्यों में उत्तर ।**	10 × 2 = 20
18.	रुपया ठाकुर जी से बड़ा है । कैसे ?	
	उत्तर :	
	ठाकुर जी बोलते नहीं, रुपया बोलता है । ठाकुर जी से बड़ा है । ठाकुर जी चलते नहीं, रुपया चलता है । उनसे रुपये की अधिक साख है ।	2
19.	पानी पीने के संबंध में कौन-कौन से नियम बनाये गये हैं ?	
	उत्तर :	
	खड़े-खड़े पानी नहीं पीना है, सोते समय पानी नहीं पीना है, दौड़ने के बाद पानी पीना मना है ।	2
20.	पैरों में कील क चुभने पर भी रवीन्द्रनाथ चुप क्यों थे ?	
	उत्तर :	
	सब लोग रवीन्द्र जी का भाषण सुनकर आनंद ले रहे थे और रवीन्द्र जी सबको आनंद परोसने का आनंद ले रहे थे । ऐसे क्षण में रवीन्द्र जी दर्द की ओर ध्यान देते तो वह क्षण खंडित हो जाता था ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
21.	ट्रेन में बोरिस का व्यवहार कैसा था ? **उत्तर :** बोरिस का ध्यान चारों ओर रहता था । कौन मांसाहारी है ? कौन शाकाहारी ? किसको फल चाहिए और किसे पनीर पसंद है ।	2
22.	नवीनजी के अनुसार सामाजिक कुरीतियों को कैसे मिटाना चाहिए ? **उत्तर :** सामाजिक गलित कुष्ठ का विनाश करना है । कीटाणु के नाश के लिए नया औषध ढूँढ़ना है ।	2
23.	अनदेखे अरूप न प्यार को कैसे वापस लौटाने की बात कही ? **उत्तर :** अनदेखे अरूप ने प्यार को सौगुने सूद के साथ वह जब भी आता है, उसे सौ-सौ बार गिनकर लौटाने की बात कही है ।	2
24.	माँ ने नेपोलियन से क्या कहा ? **उत्तर :** माँ ने नेपोलियन से कहा ''ठीक है, मैं तुम्हारी सच्चाई से खुश हूँ, मगर याद रखना, अब तुम्हें एक महीने तक जेब-खर्च के लिए कुछ भी नहीं मिलेगा ।''	2
25.	नेपोलियन और उसकी बहन के चरित्र में पाये जानेवाले अंतर को स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** नेपोलियन बचपन से ही सत्यवादी था । बहन अपनी गलतियों को न माननेवाली डरपोक लड़की थी । लेकिन नेपोलियन किये गये गलतियों को मान भी लेता और उसका नुकसान भी भरता था ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
26.	जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग कौन सा है ?	
	उत्तर :	
	जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छुड़ाकर कठिन परिश्रम करना ही एकमात्र मार्ग होता है ।	2
27.	परिश्रमी व्यक्ति जीवन के रेतीले मैदानों को कैसे पार कर सकते हैं ?	
	उत्तर :	
	अपने अदम्य साहस, कौशल और सच्ची लगन के सहारे ही परिश्रमी व्यक्ति जीवन के रेतीले मदानों को पार करता है ।	2
V.	**लेखक / कवि का परिचय ।**	2 × 3 = 6
28.	मन्नू भंडारी ।	
	उत्तर :	
	i) जन्म-काल : 3 अप्रैल, 1931 मध्य प्रदेश में मंदसौर जिले के भानापुरा गाँव में हुआ ।	
	ii) कृतियाँ : ‘एक प्लेट सैलाब’, ‘मैं हार गई’, ‘तीन निगाहों की एक तस्वीर’, ‘यही सच है’, ‘त्रिशंकु’, ‘नायक खलनायक’ । ‘विदूषक’ (कहानी संग्रह), ‘आपका बंटी’, ‘महाभोज’, ‘स्वामी’, ‘एक इंच मुस्कान’ और ‘कलवा’, ‘एक कहानी यह भी’ (उपन्यास) । (इनमें से 2 कृतियों की गणना करें)	
	iii) अन्य जानकारी : बचपन का नाम महेंद्र कुमारी, पिता सुख संपतराम भी जानेमाने लेखक थे । आपको लेखन संस्कार विरासत में मिला था ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	सवश्वर दयाल सक्सेना । **उत्तर :** i) जन्म-काल : 15 सितम्बर, 1927 को उत्तर प्रदेश के बस्ती शहर के पास पिकौरा गाँव में हुआ । ii) कृतियाँ : 'काठ की घटियाँ', 'खूटियों पर टँगे लोग', 'सोया हुआ जल', 'बकरो', 'अंधेरे पर अंधेरा' आदि । (इनमें से 2 कृतियों की गणना करें) । iii) अन्य जानकारी : इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है । ये दिनमान, पराग पत्रिकाओं के संपादक थे । इनकी मृत्यु सन् 1983 में हुई ।	3
VI.	**छन्द पहचानिए ।**	3
30.	जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग । **उत्तर :** ऽ । ऽ । ऽ । । । ऽ ⑬ । । । ऽ । ऽ ऽ । ⑪ जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग । i) नाम : दोहा ii) लक्षण : अर्धसम मात्रिक छंद है । पहले तथा तीसरे चरणों में 13-13 मात्राएँ, दूसरे और चौथे चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं । दूसरे और चौथे चरणों में तुक मिलती हैं ।	3
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	3
31.	कंकन किंकिनि नूपुर बाजाहि । **उत्तर :** (i) यहाँ अनुप्रास अलंकार है । (ii) शब्दालंकार का उदाहरण है । अनुप्रास का अर्थ है कि समान अक्षरों का दोहराना या बार-बार आना । (iii) यहाँ 'क' अक्षर की आवृत्ति हुई है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VIII.	**संदर्भ के साथ व्याख्या ।**	4 × 3 = 12
32.	“आप इस शख्स को जानते हैं ?”	
	उत्तर :	
	पाठ का नाम : अकबरी लोटा	
	लेखक का नाम : श्री अन्नपूर्णानंद वर्मा	
	अंग्रेज ने बिलवासीजी से कहा ।	
	संदर्भ : जब लोटा अंग्रेज पर गिरता है तो पं॰ बिलवासी जी भीड़ को चीरते हुए आँगन में आते हैं । आते ही अंग्रेज को छोड़कर सबको आँगन से निकाल देते हैं । फिर एक कुर्सी आँगन में रखकर अंग्रेज को बैठने को कहते हैं । तो बिलवासी जी को धन्यवाद देते हुए उपरोक्त वाक्य को अंग्रेज कहता है ।	
	व्याख्या : जो भी व्यक्ति दुःख-दर्द में हो तो उनकी मदद करना मानवीयता है ।	3
33.	“मैं उसी के पास इस बदनसीब बच्चे को ले जा रही हूँ ।”	
	उत्तर :	
	पाठ का नाम : ‘अपना पराया’	
	लेखक का नाम : ‘जैनेन्द्र’	
	स्त्री ने सिपाहो से कहा ।	
	संदर्भ : सिपाही स्त्री को सराय से दूर जाने को कहता है तो स्त्री उसके पैरों में बच्चे को डालकर, ठोकर मारने के लिए कहती है तो सिपाही में परिवर्तन होने लगता है । पूछता है कि कहाँ जा रही हो ? इस प्रश्न का उत्तर देते हुए उपरोक्त वाक्य को कहती है ।	
	व्याख्या : सैनिकों के परिवार की दयनीय स्थिति को दर्शाया गया है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
34.	''उसे देखा नहीं जा सकता, अनुभव किया जा सकता है ।'' **उत्तर :** पाठ का नाम : सदाचार का तावीज़ लेखक का नाम : हरिशंकर परसाई जी विशेषज्ञों ने राजा से कहा । संदर्भ : भ्रष्टाचार ढूँढ़ने गये विशेषज्ञ दो महीने के बाद दरबार में हाजिर हुए तो राजा विशेषज्ञों से पूछता है कि क्या तम्हें भ्रष्टाचार मिला ? लाओ बताओ । देखूँ कैसा होता है ? इसके उत्तर में विशेषज्ञ भ्रष्टाचार के लक्षण को बताते हुए उपरोक्त वाक्य को कहते हैं । व्याख्या : यहाँ भ्रष्टाचार की व्यापकता क बारे में जान सकते हैं ।	3
35.	''वा संतरी हमारा, वो पासबा हमारा ।'' **उत्तर :** कविता का नाम : सारे जहाँ से अच्छा कवि का नाम : डॉ० इकबाल संदर्भ : भारत का वर्णन करते हुए कवि कह रहे हैं कि हिमालय पर्वत सबसे ऊँचा है, इतना ऊँचा है कि आसमान का पड़ोसी बन गया है । हमारे देश का पहरेदार, द्वारपाल, रक्षक वही है कहते हुए उपरोक्त पंक्ति को लिखा गया है । व्याख्या : हिमालय पर्वत की विशेषता और महत्व को समझ सकते हैं ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
IX.	**चार-पाँच वाक्यों में उत्तर ।**	3 × 3 = 9
36.	गाँधीजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए । **उत्तर :** गाँधीजी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था । इनके पिता का नाम श्री करमचंद गाँधी था और माता का नाम पुतली बाई था । अपने जीवन के कष्टों को झेलने पर भी सत्य, अहिंसा, कर्तव्य आदि के पथ से विचलित न होकर शांति का उपदेश देनेवाले राष्ट्रपिता हैं । हरिजनों के उद्धार के लिए 'हरिजन सेवा संघ' स्थापित करके हरिजनों को सेवा का केन्द्र बना दिया । जेल में अनेक कष्ट सहने पड़े । फिर भी आज़ादी पाने के लिए अनेक बार जेल गए । आपने अपने माता को दिए वचन के अनुसार जीवन-भर मांस-मदिरा से दूर रहे । आज भी उनकी आत्मा भारत का पथ-प्रदर्शन कर रही है ।	3
37.	शुक्लजी और उनके मित्र द्वारा एक दूसरे पर किये गये व्यंग्य के बारे में लिखिए । **उत्तर :** दोनों साथी कवि सम्मेलन में जाते हैं । जब शुक्लजी अपनी कविता वाचन आरंभ करने लगे तो उनके मित्र जोर से बोले 'आप अब असुर की कविता सुनिए ।' शुक्ल जी उस चोट को सह गए पर जब मित्र कविता वाचन करने खड़े हुए तो शुक्लजी ने जोरदार स्वर में कहा "आप लोग असुर को कविता तो सुन ही चुके, अब ससुर की कविता सुनिए ।"	3
38.	कबीर के अनुसार साधु को कैसा होना चाहिए ? स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** कबीर दास जी का कहना है कि साधु का स्वभाव सूप जैसा होना चाहिए । जिस प्रकार सूप सार वस्तु को थोथे से अलग करता है, उसी प्रकार साधु को चाहिए कि केवल सार को ग्रहण करे और असार को छोड़ दें ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
X.	**पद्यांश की पूर्ति ।**	1 × 4 = 4
39.	जग में सुख	
	....	
	....	
	.... को गले लगाना ।	
	अथवा	
	पैदा कर	
	....	
	....	
	.... स्वजीवन सारा ।	
	उत्तर : जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है ।	1
	वही जगाता है सद्गुण को सद्गुण लाता सुख है ।	1
	बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ-जहाँ सुन पाना ।	1
	सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना ।	1
	अथवा	
	पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा ।	
	किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा ।	
	उससे होना उऋण प्रथम है, सत्कर्तव्य तुम्हारा ।	
	फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XI. 40.	**पद्यांश का भावार्थ :** अज्ञानियों से स्नेह करना मानो पत्थर से चिनगारी निकालना है । ज्ञानियों का संग करना, मानो दही मथकर माखन पाना है हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, तुम्हारे भक्तों का संग करना मानो कर्पूरगिरि की ज्योति को पाना है । **अथवा** भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न है, प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म-सखा तू ही है ।	4
	उत्तर : अक्कमहादेवी अपने वचन में बुराइयों में भी अच्छाई पाने का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं – अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है क्योंकि उन्हें सुधारते-सुधारते स्वयं बहुत कुछ सीख जाते हैं । यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी, चिनगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना । ज्ञानियों का संग करने से हम सुलभ रूप से ज्ञानी बन जाएँगे । जैसे दही के मथने से माखन निकल आता है । अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं – तुम्हारे भक्तों का संग करना कर्पूर-पर्वत की ज्योति को पाने के समान है । **अथवा** अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं का धन्य मानती हुई कहती हैं कि प्रभु, आपके सामने कोई भी गरीब नहीं है । इसकी पुष्टि में वे कहती हैं यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगती है तो पानी की कमी नहीं है क्योंकि इधर-उधर तालाब, कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठंड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मेरा प्रिय आत्म-सखा है ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XII.	**आठ-दस वाक्यों में उत्तर ।**	2 × 4 = 8
41.	वेंकटराव के जीवन में नया मोड़ कैसे आया ? स्पष्ट कीजिए । **अथवा** 'कर्नाटक विद्यावर्धक संघ' की प्रगति में वेंकटरावजी के योगदान के बारे में लिखिए । **उत्तर :** वेंकटराव आलूर में अपनी छुट्टी के दिन बिता रहे थे । अचानक उनके घर उनके घराने के कुलपुरोहित आये जो 'नववृन्दावन' जाना चाहते थे । उनके साथ वेंकटराव भी निकल पड़े । तुंगभद्रा के प्रशांत तट पर व्यासराय और अन्य माध्व यतियों की समाधियाँ देखीं । फिर हंपी उत्खनन के बारे में सारी जानकारियाँ प्राप्त करते रहे तभी वेंकटराव जी को समझ में आया कि विजयनगर साम्राज्य की राजधानी यही खंडहर हंपी थी । विद्यारण्य की तपोभूमि, भुवनेश्वरी का पण्य तटाक ये सारे चित्र उन्हें विस्मित सा कर गये । दूसरे दिन वेंकटराव खुद नदी पार करके विरुपाक्ष मंदिर गये। ग्यारह मंजिल का गोपुर आसमान को चूमता हुआ नजर आया । अपने आपको भूलकर अंदर गये । उन्हें लगा कि पंपानाथ और पंपाबिका की मूर्तियाँ प्रसन्नता से उन्हें देख रही हैं । बगल में ही भुवनेश्वरी का मंदिर था । उन्हें लगा कि मूर्ति में प्राणों का संचार हुआ है । वे विजयनगर साम्राज्य की प्रेरक शक्ति के रूप में खड़े विद्यारण्य महातपस्वी की भावपूर्ण मूर्ति के दर्शन से पुलकित हो उठे । **अथवा** कन्नड भाषा की अभिवृद्धि तथा कर्नाटक के हित की रक्षा के लिए 1890 में स्थापित कर्नाटक विद्यावर्धक संघ ने उत्तर कर्नाटक में काफी जागृति उत्पन्न की थी । संघ की प्रगति के लिए वेंकटरावजी ने कन्नड अध्यापकों से संपर्क बढ़ाया । संघ के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जिसके फलस्वरूप धीरे-धीरे संघ में प्राणों का संचार होने लगा । कर्नाटक विद्यावर्धक संघ की मुखपत्रिका 'वाग्भूषण' थी । 1906 में वे उसके संपादक बने । 1907 जून में कर्नाटक विद्यावर्धक संघ का वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ । उसी के एक अंग के रूप म कन्नड ग्रंथ कर्ताओं का प्रथम सम्मेलन हुआ, जिसमें लेखक, शिक्षक एवं शिक्षाधिकारियों ने भाग लिया था । वेंकटराव संघ के सारे काम अनासक्त योगी की भाँति करते रहे ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
42.	सेठजी के अनुसार मनुष्यत्व सभी धर्मों से बड़ा है । कैसे ? समझाइए । **अथवा** 'सच्चा धर्म' पाठ के आधार पर पुरुषोत्तम के चरित्र पर प्रकाश डालिए । **उत्तर :** सेठजी परुषोत्तम के चरित्र को दर्शाते हुए हमारे सामने मनुष्यत्व ही सच्चा धर्म है इसका प्रमाण दिये हैं । पुरुषोत्तम साठ साल के दीर्घ जीवन में धर्म परायण होकर, शिवाजी के पुत्र संभाजी को अपना भानजा मानना इतना आसान नहीं है । औरंगजेब के खूफिया सरदारों के सामने एक अब्राह्मण लड़के के साथ, उसकी जान बचाने के लिए, उसी के साथ बैठकर एक ही थाली में खाना मनुष्यत्व की परमावधि है । मनुष्यत्व सभी धर्मों से बड़ा है क्योंकि सच्चा धर्म वही है जो समाज में मनुष्यत्व की स्थापना करता हो । **अथवा** पुरुषोत्तम दिल्ली निवासी एक महाराष्ट्रीय ब्राह्मण है । साठ वर्ष की उम्रवाले साधारण शरीर का मनुष्य है । मुख पर बड़ी मूँछें, सिर पर श्वेत चंदन का त्रिपुण्ड लगा हुआ है । वक्षस्थल पर यज्ञोपवित है । इनके अनुसार धर्म किसी निश्चित नियमों का पालन नहीं कर सकता, समय के साथ धर्म का स्वरूप बदलता ह । स्वामीनिष्ठा और धर्मनिष्ठा का पालन करते हुए भी पुरुषोत्तम ने मानवता को श्रेष्ठ स्थान दिया है । पुरुषोत्तम संभाजी की रक्षा हेतु अपनी सत्यनिष्ठा त्यागकर औरंगजेब के खूफिया सरदारों के सामने संभाजी को अपना भानजा कहता है । अपनी धर्मपरायणता त्यागकर संभाजी के साथ एक ही थाली में खाना खाता है । ये विचार पुरुषोत्तम के श्रेष्ठ चरित्र को दर्शाते हैं ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XIII.	**अपठित गद्यांश के उत्तर ।**	2 × 2 = 4
43.	धृतराष्ट्र जन्मान्ध थे, किन्तु उनकी भुजाओं में बड़ी शक्ति थी । महाभारत युद्ध के उपरान्त जब उन्हें पता चला कि ज्येष्ठ पुत्र दुर्योधन सहित उनके सभी पुत्र भीम के ही हाथों मारे गए तब उनमें भीम से प्रतिरोध लेने की इच्छा जाग उठी । उन्होंने सामने भीम की प्रशंसा करके, उसको अपनी बाहों में लेकर मार डालना चाहा । मगर कृष्ण ने धृतराष्ट्र के मन की बात समझकर, भीम के स्थान पर लोहे की मूर्ति को बढ़ा दिया । धृतराष्ट्र ने उस मूर्ति को ही भीम समझकर चूर-चूर कर डाला । a) धृतराष्ट्र भीम से प्रतिशोध क्यों लेना चाहते थे ? b) कृष्ण ने भीम की रक्षा कैसे की ? **उत्तर :**	
	a) महाभारत युद्ध के उपरान्त जब धृतराष्ट्र को पता चला कि ज्येष्ठ पुत्र दुर्योधन सहित उनके सभी पुत्र भीम के ही हाथों मारे गए तब उनमें भीम से प्रतिशोध लेने की इच्छा जाग उठी ।	2
	b) कृष्ण ने भीम के स्थान पर लोहे की मूर्ति को बढ़ाकर भीम की रक्षा की ।	2
XIV.	**पत्र लेखन ।**	1 × 5 = 5
44.	कोई कारण बताते हुए चार दिनों की छुट्टी के लिए प्रधानाध्यापक के नाम एक पत्र लिखिए । **अथवा** पढ़ाई के महत्व को समझाते हुए अपने छोटे भाई के नाम पत्र लिखिए । **उत्तर :** व्यावहारिक पत्र : i) स्थान एवं तिथि : $\frac{1}{2}$ ii) प्रेषक/सेवा में : $\frac{1}{2}$ iii) सम्बोधन – विषय : 1 iv) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$ v) समाप्ति : $\frac{1}{2}$	5
	अथवा	

प्रश्न संख्या	**सही उत्तर**	**अंक**
	पारिवारिक पत्र :	
	i) स्थान एवं तिथि : $\frac{1}{2}$	
	ii) सम्बोधन-अभिवादन : 1	
	iii) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$	
	iv) समाप्ति : $\frac{1}{2}$	5
	v) पत्र पानेवाले का पता : $\frac{1}{2}$	
XV.	**निबंध लेखन ।**	1 × 5 = 5
45.	किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :	
	i) राष्ट्रीय त्योहार	
	ii) समाचार पत्र ।	
	उत्तर :	
	(i) भूमिका 1	
	(ii) विषय विश्लेषण 2	
	(iii) उपसंहार 1	
	(iv) भाषा और शैली । 1	